Date
7/05/2020

विषय - समकालीन भारत और शिक्षा
प्रकरण - जनसंख्या शिक्षा

B.Ed. Ist Year

(जनसंख्या शिक्षा का अर्थ एवं परिभाषा)

जनसंख्या शिक्षा का अर्थ एक ऐसी शिक्षा से है जिसके द्वारा व्यक्तियों को किसी समाज की बढ़ती अथवा घटती हुयी जनसंख्या के कारणों तथा उसके प्रभावों के विषय मे जानकारी दी जाती है और उन्हे इस बात के लिए प्रेरित किया जाता है कि वे इस समस्या के समाधान मे अपना सहयोग दें। सन 1935 मे स्वीडन की जनसंख्या घटने लगी तो सरकार (सर्वप्रथम) ने एक जनसंख्या आयोग की स्थापना की जिसने यह सुझाव दिया कि जनसंख्या शिक्षा द्वारा जागरूकता फैलायी जाए। परन्तु भारत मे स्थिति वृद्धि को नियन्त्रित करने की है।

जनसंख्या शिक्षा की परिभाषाएँ :-

(1) यूनेस्को द्वारा सन, 1970 मे बैंकाक मे जनसंख्या शिक्षा पर आयोजित कार्यशाला मे जनसंख्या शिक्षा को परिभाषित करते हुए कहा गया कि, "यह एक ऐसा शैक्षिक कार्यक्रम है जो परिवार, समुदाय, राष्ट्र और विश्व मे जनसंख्या की स्थिति का अध्ययन करता है। इसका उद्देश्य हानो मे जनसंख्या वृद्धि के प्रति तर्कसंगत एवं उत्तरदायित्वपूर्ण व्यवहार तथा दृष्टिकोण का विकास करना है।"

(2) फैनाक के अनुसार "जनसंख्या शिक्षा एक ऐसा कार्यक्रम है जिसका प्राथमिक उद्देश्य अनियन्त्रित जनसंख्या वृद्धि की समस्या तक पहुँचने के लिए ज्ञानात्मक उपागम का विकास करना है।"

P.T.O.

Scanned with CamScanner

जनसंख्या शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्व

जनसंख्या शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्व को निम्नलिखित बिन्दुओं से स्पष्ट किया जा सकता है।

1) आर्थिक विकास के लिए।
2) अन्धविश्वासों को दूर करने के लिए।
3) सीमित परिवार के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का निर्माण करने।
4) जीवन स्तर को ऊँचा उठाने के लिए।
5) स्वास्थ्य सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए।
6) पर्यावरण संरक्षण के लिए।
7) यौन सम्बन्धी जानकारी प्राप्त करने के लिए।
8) जन - जन को शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए।

जनसंख्या शिक्षा के उद्देश्य

1) जनसंख्या वृद्धि की गति से परिचित कराना।
2) जनसंख्या वृद्धि के कारणों एवं दुष्परिणामों से अवगत कराना।
3) जनसंख्या वृद्धि के रोकने के उपायों की जानकारी देना।
4) जनसंख्या नियन्त्रण के उपायों की जानकारी देना।
5) यौन समस्याओं और उनके समाधान के विषय में जानकारी देना।
6) जनसंख्या शिक्षा के प्रति व्यक्तियों में सजगता एवं जागरूकता उत्पन्न करना।
7) परिवार, समाज तथा देश के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण का विकास करना।
8) जनसंख्या सम्बन्धी सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों के विषय में जानकारी प्रदान करना।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

जनसंख्या शिक्षा का पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम मे निम्नलिखित बातों का समावेश किया जाना चाहिए।

1.] जनसंख्या शिक्षा की आवश्यकता एवं उद्देश्य।
2.] भारत मे जनसंख्या वृद्धि के कारण।
3.] जनसंख्या वृद्धि से लाभ एवं हानि।
4.] जनसंख्या वृद्धि का सामाजिक तथा आर्थिक विकास पर प्रभाव
5.] जनसंख्या वृद्धि और शिक्षा।
6.] परिवार - नियोजन।
7.] जनसंख्या वृद्धि और स्वास्थय समस्याएँ।
8.] रहन - सहन के स्तर पर प्रभाव।
9.] छोटे परिवार का महत्तव।
10.] जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न समस्याएँ और उनका समाधान।

जनसंख्या शिक्षा की शिक्षण विधिया :-

1.] व्याख्यान विधि, (2) स्पष्टीकरण, विश्लेषण एवं व्याख्या,
3.] प्रश्नोत्तर विधि, (4) कहानी विधि (5) परिचर्चा विधि
6.] प्रहसन एवं नाटक विधि, 7.] चलचित्र विधि
8.] रेडियो एवं दूरदर्शन, 9.] भूमिका निर्वाह विधि
10.] वाद - विवाद विधि, निबन्ध, 11] गीत - संगीत, कविता
12] संगोष्ठी, 13] कार्यशाला
14.] भ्रमण, 15.] साक्षात्कार
16.] व्यक्ति अध्ययन विधि, 17] प्रदर्शनी विधि,
18.] सम्मेलन एवं मेले, 19.] समस्या समाधान विधि

Continue---

Scanned with CamScanner